

केरल सरकार द्वारा सुपरफूड को बढ़ावा

चर्चा में क्यों?

हाल ही में केरल सरकार द्वारा 'सुपरफूड (Superfoods)' और 'ईट स्मार्ट (Eat Smart)' रणनीतिके अंतर्गत पोषक तत्वों से भरपूर बाजरे की कृषि को अधिक-से-अधिक ज़िलों में वस्तितार करने पर बल दिया जा रहा है।

महत्त्वपूर्ण बट्टि

- केरल राज्य कृषिविभाग द्वारा बाजरे को नवीनतम आहार की मुख्य सामग्री के रूप में शामिल किया गया है इसके अंतर्गत कुछ क्षेत्रों में बाजरा ग्राम योजना (Millet Village Scheme) का सफल क्रयान्वयन किया गया है।
- राज्य कृषि मंत्रि के अनुसार, योजना का परीक्षण सफल रहा, इसलिये पलक्कड़ जिले के अट्टापेडी के बाजरा गाँव योजना का वस्तितार इडुक्की विभाग, वायनाड और पलक्कड़ के अन्य हसिसों में करने की योजना है, अट्टापेडी में अधिकतर आदविसी गाँव शामिल हैं।
- इस परियोजना के लिये अतिरिक्त भूमि की आवश्यकता है जसि पर राज्य सरकार काम कर रही है।
- केरल के राज्य कृषि मंत्रि ने इस परियोजना के राष्ट्रीय स्तर पर वस्तितार के लिये केंद्र से समर्थन माँगा है।

बाजरा ग्राम परियोजना

- बाजरा ग्राम योजना (Millet Village scheme) के तहत कृषिविभाग ने 1,200 एकड़ में रागी (Finger Millet), थिना (Thina-Foxtail Millet), चोलम (Sorghum-जवार) और कुथिरवली (Kuthiravaali-बारनीयारड बाजरा) की फसलों का उत्पादन किया।
- इसके अंतर्गत अट्टापेडी में चिया (Chia) की खेती के लिये एक पायलट परियोजना चलाई जा रही है। चिया एक मध्य अमेरिकी पौधा है, जो अब भारत में एक सुपरफूड के रूप में लोकप्रियता हासिल कर रहा है।
- राज्य के कृषि मंत्रि ने बताया कि बाजरा उच्च प्रोटीन युक्त, सामान्य मौसम एवं जलवायु परिवर्तन के अनुकूल तथा कम पानी की आवश्यकता जैसे कारकों के संयोजन के कारण राज्य के लिये एक आदर्श फसल है।
- बाजरे की कटाई 60 से 97 दिनों में की जा सकती है। आजकल मधुमेह और मोटापे जैसी समस्याओं से जूझ रहे लोगों में इस अनाज की माँग तेजी से बढ़ रही है अतः किसानों के लिये यह एक उचित अवसर है।

सुपरफूड – सुपरफूड का तात्पर्य ऐसी खाद्य सामग्री से है जसिमें स्वास्थ्य के लिये लाभदायक सभी पोषक तत्व पाए जाते हैं जैसे - जामुन, मछली, पत्तेदार साग, नट, जैतून का तेल, साबुत अनाज, दही, पत्तेदार सबजियाँ इत्यादि।

ईट स्मार्ट – इसके अंतर्गत स्वस्थ जीवन शैली के अनुरूप स्वादषिट शाकाहारी भोजन के साथ, प्रत्येक दिन, हर समय स्वस्थ खाना खाने पर बल दिया गया है। ईट स्मार्ट के माध्यम से ज्यादा-से-ज्यादा प्राकृतिक पदार्थों के उपभोग से स्वास्थ्य की बेहतर देखभाल के साथ ही यह ऊर्जा को बढ़ाने में अहम भूमिका निभाता है।

स्रोत – द हट्टि